बुधवार
05 मार्च 2025
● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 39
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

कल आएंगे पीएम मोदी मुखवा

●हर्षिल में जनसभा को करेंगे संबोधित
●आत्मनिर्भरता को मिलेगा बलः धामी

विशेष संवाददाता

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल उत्तराखंड दौरे पर आने वाले हैं। उत्तराखंड शासन-प्रशासन द्वारा उनके दौरे की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। हालांकि उनका यह दौरा सिर्फ 4 घंटे का ही है लेकिन इस दौरान उनके कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। जिनमें भाग लेकर वह जहां शीतकालीन चारधाम यात्रा को प्रमोट करेंगे, वहीं हर्षिल में एक जनसभा को संबोधित भी करेंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि प्रधानमंत्री के इस दौरे से आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को बल मिलेगा। प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान राज्य उत्पादों की एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया है जिसमें सभी पर्वतीय जिलों के प्रमुख घरेलू उत्पादों के स्टाल लगाये जाएंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि उत्तराखंड आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के आगमन से चारधाम यात्रा को नई दिशा मिलेगी।

प्रधानमंत्री पहली बार मुखवा आ रहे हैं उनके इस दौरे को लेकर क्षेत्र वासियो में अत्यंत ही उत्साह है। जहां एक ओर मां गंगोत्री के मंदिर को फूलों से सजाया गया है वहीं लोक कलाकार भी अपनी विभिन्न प्रस्तुतियों से पारंपरिक वेशभूषा में उनका स्वागत करेंगे।

प्रधानमंत्री यहां पहुंचने पर सबसे पहले मां गंगा की पूजा अर्चना करेंगे तथा इसके पश्चात वह उत्पाद प्रदर्शनी का अवलोकन भी करेंगे। इसके बाद वह हर्षिल में आयोजित होने वाली जनसभा को संबोधित करेंगे जिसे लेकर हर्षिल के 8-10 गांवों के लोग उन्हें सुनने पहुंचेंगे।

प्रधानमंत्री सुबह 8 बजे के करीब जौली ग्रांट हवाई अड्डे पहुंचेंगे जहां से सीधे हर्षिल की सैन्य हवाई पट्टी तक हेलीकॉप्टर से जाएंगे प्रधानमंत्री 11 बजे तक मुखवा व हर्षिल में रखेंगे तथा 11 बजे यहां से फिर जौली ग्रांट आएंगे और दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

दून वैली मेल

संपादकीय

बच्चों के भविष्य पर भारी मोबाइल

कहा जाता है कि परिवार व्यक्ति की पहली पाठशाला होता है तथा मां किसी भी बच्चे की पहली गुरु होती है। नि:संदेह आप में से हर किसी ने अनेक ऐसी कहानी पड़ी या सुनी होगी जिसमें एक परिवार के परिवेश का प्रभाव बच्चों के मन मस्तिष्क पर पड़ने वाले प्रभाव को दर्शाता है या फिर मां द्वारा अबोध बच्चे को दी जाने वाली शिक्षा का उसके जीवन और व्यक्तित्व पर क्या प्रभाव पड़ता है? एक व्यक्ति जो चोरी के आरोप में जेल जाता है और अदालत जब उसे फांसी की सजा सुना देती है तथा फांसी से पूर्व जब उस व्यक्ति से उसकी अंतिम इच्छा पूछी जाती है तो वह अपनी मां से मिलने की इच्छा जाहिर करता है। मां जब उससे मिलने आती है तो वह व्यक्ति अपनी मां से कान में कुछ कहने जाता है तो दांतों से उसका कान काट लेता है यह देखकर सभी हैरान होते हैं। उसे जब इसका कारण पूछा जाता है तो वह बताता है कि स्कूल से पहली बार किसी की कलम चुराने पर मां ने अगर उसे प्रोत्साहित करने की बजाय रोका होता तो आज उसे फांसी की सजा नहीं होती। लेकिन आज के दौर के बच्चे सिर्फ परिवार और मां से ही सब कुछ नहीं सीख रहे हैं। उनके आसपास के परिवेश उनके साथी और दोस्तों के अलावा टेक्नोलॉजी भी बहुत कुछ सिखा रही है। खास तौर से एकमात्र मोबाइल फोन ही बच्चों के जीवन को कहीं से कहीं तक प्रभावित करने का एक बड़ा जरिया बन चुका है। खास बात यह है कि कोरोना काल के दौरान ऑनलाइन पढ़ाई की जरूरत ने अबोध बच्चों के हाथों में एंड्रॉयड मोबाइल फोन पहुंचा दिया जो बच्चों के लिए बड़ा अभिशाप साबित हो रहा है। इस नई तकनीक ने बाल्यावस्था में ही बच्चों को युवा और प्रौढ़ बनाने में अहम भूमिका निभाई है। मोबाइल में बच्चे वह सभी कुछ देख रहे हैं जो दो दशक पहले युवावस्था में पहुंचने के बाद भी लोग नहीं जान पाते थे। मोबाइल में वह जो कुछ भी देख रहे हैं तथा ऐसा कुछ भी देख रहे हैं जो उस उम्र के बच्चों के देखने योग्य नहीं है वह उनके आचरण में तेजी से उतरता जा रहा है। बीते कल देश के एक राज्य उड़ीसा के एक गांव से एक ऐसी दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई जो मन को झकझोर देने वाली है। एक युवक द्वारा ऑनलाइन गेम खेलने से रोकने पर अपने माता-पिता और बहन की हत्या कर दी गई। यह एक उदाहरण मात्र है हर रोज बच्चों के घर से भाग जाने की तथा आत्महत्या करने की, रेप और चोरी जैसे जगन्य अपराधों को अंजाम देने की घटनाएं खबरों में बनी रहती हैं। बच्चों में नशावृति और अपराधी प्रवृत्ति के पनपने के पीछे भी मोबाइल एक बड़ा कारण बन चुका है। नशे और गेमिंग की लत ने इन बच्चों का भविष्य जिस तरह और जितने व्यापक स्तर पर प्रभावित किया है वह अत्यंत ही चिंतनीय विषय बन चुका है। मोबाइल के कारण दिशा भ्रमित हुए इन बच्चों की हरकतें आज 80 फीसदी परिवारों के लिए एक बड़ी समस्या बन चुकी है अगर मां-बाप बच्चों को इससे दूर रखने का प्रयास करते हैं तो वह मां-बाप की जान तक ले लेते हैं और अपनी जान देने में भी नहीं चूकते। दून में एक गरीब सब्जी विक्रेता ने जब अपनी कक्षा 8 में पढ़ने वाली बेटी को एंड्रॉयड फोन दिलवाने में असमर्थता जताई तो बेटी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। हालत इतने विकराल और चिंतनीय हो चुके हैं कि स्कूल जाने से पूर्व ही तीन-चार साल तक के बच्चों को मोबाइल पर कार्टून और गेम में सबसे अधिक रुचि लेते देखा जा सकता हैं। यह सच है कि इन बच्चों को मोबाइल से दूर नहीं रखा जा सकता है लेकिन जिस तरह मोबाइल फोन इन बच्चों के भविष्य पर भारी पड़ रहे हैं परिवार के लिए मुसीबत का सबब बन चुका है। उसके उपाय तलाशने की जरूरत है क्योंकि यह समस्या अति गंभीर ही नहीं अत्यंत व्यापक बन चुकी है।

लूट मामले में वारंटी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। लूट मामले में अदालत में पेश नहीं हो रहे वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस अधीक्षक श्रीमती रेखा यादव के निर्देश पर जनपद पुलिस लगातार वारण्टी आरोपियो को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के लिए प्रभावी कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में एसएचओ कोतवाली पिथौरागढ़ ललित मोहन के नेतृत्व में पुलिस टीम ने वारण्टी आरोपी शुभम अग्रवाल पुत्र स्व. मुन्ना लाल निवासी सिवालया मन्दिर के पास पुरानी बाजार पिथौरागढ़ को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एक व्यक्ति से लूट और जान से मारने की धमकी के मामले में मुकदमा दर्ज होने के साथ ही न्यायालय में वाद चल रहा है। अदालत द्वारा बार-बार समन भेजे जाने के बावजूद आरोपी पेश नही हुआ, जिसके बाद अदालत ने उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। जिस पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने आरोपी शुभम अग्रवाल को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया है।

एसएसपी के प्रयासों से इस वर्ष सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में आई 30 प्रतिशत की कमी

संवाददाता

देहरादून। एसएसपी अजय सिंह के प्रयासों से विगत वर्षो की तुलना में इस वर्ष सडक दुघर्टनाओं की संख्या में 30 प्रतिशत कमी आयी है।

सडक सुरक्षा तथा यातायात सुधार की दिशा में एसएसपी देहरादून द्वारा किये जा रहे प्रयासों का सकारात्मक परिणाम परिलक्षित हो रहे हैं। विगत वर्ष के शुरुआती 02 माह की तुलना में वर्ष 2025 के शुरुआती 02 माह में पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई है। विगत वर्ष के शुरुआती 02 माह में पुलिस द्वारा डेंजरस/रैश/स्टंट ड्राइविंग/ओवर स्पीडिंग तथा गलत दिशा में वाहन चलाने वाले 811 वाहन चालकों के विरूद्ध चालानी कार्यवाही करते हुए 272 वाहनों को सीज किया गया था। जबकि वर्ष 2025 के शुरूवाती 02 माह में 2430 वाहन चालकों के विरूद्ध चालान की कार्यवाही अमल में लाई गयी है तथा

1014 वाहनों को सीज किया गया साथ ही शराब पीकर वाहन चलाने वाले 182 वाहन चालकों को पुलिस द्वारा वर्ष 2024 में गिरफ्तार कर सम्बन्धित वाहनों को सीज किया गया था, जबकि वर्ष 2025 में 02 माह में 852 वाहन चालकों को गिरफ्तार कर सम्बन्धित वाहनों को सीज किया गया है। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरूद्ध पुलिस द्वारा की जा रही सख्ती का असर सडक दुर्घटनाओं की संख्या में भी परिलक्षित हुआ है। वर्ष 2024 के शुरूआती 02 माह में हुई 91 सडक दुघर्टनाओं की तुलना में वर्ष 2025 के शुरूवाती 02 माह में केवल 65 सडक दुघर्टनाएं ही हुई है। सड़क दुर्घटनाओ में आयी कमी का एक मुख्य कारण पुलिस द्वारा सार्वजनिक स्थानो पर शराब पीने वालों के विरुद्ध लगातार की जा रही कार्रवाई भी है, विगत 6 माह के दौरान पुलिस द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले 6127 व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए उन्हें थाने लाया गया, जिनमें से अधिकतर व्यक्ति सड़क किनारे अपने वाहनों में बैठकर शराब पीते हुए पाए गए थे, पुलिस की कार्रवाई से शराब पीने के बाद वाहन चालकों के वाहन न चला पाने के परिणाम भी सड़क दुर्घटनाओं में आई कमी के रूप में परिलक्षित हुए है।

शराब पिलाने पर रेस्टोरेंट स्वामी गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब पिलाने पर रेस्टोरेंट स्वामीं को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि श्यामपुर में कुछ रेस्टोरेंट स्वामी अपने यहां पर लोगों को शराब पीलाते हैं। जिसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने रेस्टोरेंट पर छापा मारा तो वहां पर लोगों को शराब पीते हुए देखा तो होटल संचालक ने अपना नाम सूरत लाल पुत्र हिकमत लाल निवासी चकरोड घनसाली बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको गिरफ्तार कर लिया है।

फरार चल रहा ईनामी गांजा तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। गांजा तस्करी में फरार चल रहे 5 हजार के ईनामी गांजा तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामले में दो आरोपी पूर्व में ही गिरफ्तार किये जा चुके है।

जानकारी के अनुसार बीती 1 फरवरी को भतरौजखान पुलिस व एसओजी द्वारा एक स्विफ्ट डिजायर से 42.515 किलोग्राम गांजा बरामद करते हुए 2 तस्कर जीवन आर्या व रोहित कुमार को गिरफ्तार किया गया था।

इस दौरान वाहन चालक भूपेश सिंह मौके से घने जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गया था। जिसकी गिरफ्तारी के लिए 5 हजार का ईनाम घोषित किया गया था जिसकी पुलिस तलाश कर रही थी। फरार चल रहे आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस टीम को बीती शाम सूचना मिली कि आरोपी रामनगर क्षेत्र में देखा गया है।

सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान पर छापेमारी करते हुए आरोपी भूपेश सिंह सैनी पुत्र आनन्द सैनी निवासी लालडांग रामनगर जनपद नैनीताल को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी भूपेश सिंह सैनी शातिर किस्म का नशा तस्कर है जिसके खिलाफ थाना सल्ट में भी आबकारी अधिनियम व एनडीपीएस एक्ट के मुकदमें दर्ज है।

मानव तस्करी व बाल श्रम पर जागरूकता शिविर का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेश पर जूनियर हाई स्कूल में मानव तस्करी व बाल श्रम पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

आज यहां उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के आदेश अनुसार एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देहरादून के निर्देशन में प्राविधिक कार्यकर्ता उमेश्वर सिंह रावत द्वारा स्थानीय एवंनेजर जूनियर हाई स्कूल नेशविला रोड देहरादून में मानव तस्करी एवं बाल श्रम विषय पर एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जागरूकता शिविर में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट देहरादून की टीम के सदस्य नरेंद्र सिंह बिष्ट द्वारा छात्र-छात्राओं को मानव तस्करी पर जागरूक किया गया। बिष्ट ने छात्र-छात्राओं को बताया कि किसी भी व्यक्ति की खरीद फरोख्त करना, विवाह के नाम पर बालिकाओं/ महिलाओं की खरीद फरोख्त करना, भीख मंगवाना जबरन घरेलू काम करवाना, अबैध तरीके से बच्चे को गोद लेना, जबरन ड्रग्स तस्करी करवाना अश्लील सामग्री तैयार करवाना, नौकरी अथवा किसी अन्य प्रकार का लालच देकर शोषण करना उपरोक्त सभी कार्य ह्यूमन ट्रैफिकिंग के अंतर्गत आते हैं। प्राविधिक कार्यकर्ता उमेश्वर सिंह रावत द्वारा छात्र-छात्राओं को गुड टच बेड टच, बाल श्रम, तथा 6 वर्ष से 14 साल तक के बच्चों को आरटीआई के तहत निशुल्क शिक्षा का अधिकार प्राप्त है आदि के विषय पर विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से मिलने वाली निशुल्क सेवाओं के बारे में, नालसा टोल फ्री नंबर 15100 तथा राष्ट्रीय लोक अदालत जो की 8 मार्च 2025 को होने जा रही है के बारे में भी जानकारी दी। इस अवसर पर एंटी ट्रैफिकिंग यूनिट की श्रीमती अनीता कंडारी,श्रीमती प्रेमा बिष्ट, विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती शेफालीका सिंघल, विभु सिंघल, श्रीमती संगीता भंडारी एवं 80 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

ग्रामीण परिवेश में सकारात्मक परिवर्तन

डा. जयंती लाल भंडारी

इन दिनों ग्रामीण भारत में परिवर्तन और किसानों के बदलते जीवन विषयों पर प्रकाशित हो रही विभिन्न अध्ययन रिपोटरे में यह तथ्य रेखांकित हो रहा है कि भारत के ग्रामीण परिवेश में सकारात्मक परिवर्तन हो रहा है और इससे किसानों की आमदनी के साथ किसानों का जीवन स्तर भी बढ़ रहा है, लेकिन विकास की बहुआयामी चुनौतियां अभी बनी हुई हैं। हाल में प्रकाशित मैकिन्से ग्लोबल फॉर्मर्स इनसाइट सर्वे, 2024 में कहा गया है कि भारतीय किसान तेजी से डिजिटल पेमेंट को अपना रहे हैं। वर्ष 2024 भारत में 40 फीसद किसान द्वारा रु पयों का भुगतान डिजिटल माध्यम से किया गया है, वहीं 2022 में 11 फीसद किसान डिजिटल भुगतान का इस्तेमाल कर रहे थे। किसानों के बीच डिजिटल भुगतान का चलन बढने का कारण सस्ता डाटा और यूपीआई सेवा को माना गया है। रिपोर्ट के अनुसार 2022 में देश में फसल बीमा का इस्तेमाल करने वाले महज 8 फीसद किसान थे, वे 2024 में बढ़ कर 37 फीसद हो गए। इसमें सबसे अधिक योगदान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का है। यह भी पाया गया है कि 11 फीसद किसान 2024 में जैविक उत्पादों का इस्तेमाल कर रहे थे जबकि 2022 में 2 फीसद किसान ही जैविक उत्पादों का इस्तेमाल कर रहे थे।

इस रिपोर्ट का यह निष्कर्ष भी महत्त्वपूर्ण है कि भारतीय किसान औपचारिक ऋण की ओर बढ़ रहे हैं। 2024 में 36 फीसद किसानों ने बैंक से कर्ज लिया जो 2022 में केवल 9 फीसद था। वहीं, 26 फीसद किसानों ने सब्सिडी वाले सरकारी ऋण का उपयोग किया जबकि 2022 में यह आंकड़ा सिर्फ 1 फीसद था। रिपोर्ट ने यह भी बताया कि भारत के 53 फीसद किसान फसल चक्रीकरण जैसे टिकाऊ खेती के तरीकों को अपनाने के लिए सरकारी सब्सिडी पर निर्भर हैं। सरकार इस दिशा में कई तरह से सहायता प्रदान कर रही है जैसे कि लागत में छूट, कार्बन क्रेडिट से आय बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन आदि। यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि मार्च, 2024 तक भारत में 95.44 करोड़ इंटरनेट ग्राहक थे। इनमें से 39.83 करोड़ ग्रामीण इंटरनेट ग्राहक थे। इसी परिप्रेक्ष्य में हाल में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) रिसर्च द्वारा जारी रिपोर्ट भी महत्त्वपूर्ण है। इसमें कहा गया है कि मुख्य रूप से गरीबों को सीधे, लाभान्वित करने वाले सरकारी सहायता कार्यक्रमों के सकारात्मक प्रभावों और विकास के कारण गरीबी में कमी आई है। गरीबी में कमी शहरी इलाकों की तुलना में ग्रामीण इलाकों में अधिक तेजी से हुई है। जहां 2011-12 में ग्रामीण गरीबी 25.7 फीसद और शहरी गरीबी 13.7 फीसद थी, वहीं 2023-24 में ग्रामीण गरीबी घट कर 4.86 फीसद और शहरी गरीबी घट कर 4.09 फीसद पर आ गई। इस रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 14 साल में आमदनी बढने से जहां शहरों में हर माह प्रति व्यक्ति उपभोक्ता खर्च (एमपीसीई) 3.5 गुना हो गया, वहीं यह ग्रामीण इलाकों में करीब चार गुना हो गया है। 2009-10 से 2023-24 के बीच शहरी इलाकों में एमपीसीई 1984 रु पये से बढ़ कर 6996 रु पये और ग्रामीण इलाकों में यह खर्च 1054 रु पये से बढ़ कर 4122 रु पये हो गया। ऐसे में शहरों की तुलना में गांवों की ग्रोथ ज्यादा है।

निस्संदेह ग्रामीण एवं कृषि विकास के विभिन्न अभियानों के कारण देश में ग्रामीण गरीबी में तेजी से कमी आ रही है। यह पिछले वर्ष 2024 में घट कर पांच फीसद से भी कम रह गई है। ग्रामीणों की आमदनी और क्रयशक्ति भी बढ़ी हैं। यह भी महत्त्वपूर्ण है कि डिजिटल इंडिया, शौचालय, स्वच्छ पेयजल और स्वच्छ ईंधन के लिए उज्ज्वला योजना, सभी घरों में बिजली के लिए सौभाग्य योजना जैसे अभियानों से भी ग्रामीण भारत में गरीबी में कमी आ रही है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत 80 करोड़ से अधिक गरीब वर्ग के लोगों को मुफ्त खाद्यान्न कार्यक्रम ने ग्रामीण भारत में भी गरीबी को कम करने में अहम भूमिका निभाई है। निश्चित ही ग्रामीण भारत में सकारात्मक परिवर्तन, कृषि व ग्रामीण विकास तथा किसानों की आमदनी बढ़ाने के मद्देनजर बजट 2025-26 आशा की एक और किरण लेकर आया है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के लिए इस बार बजट 2025-26 में 1,88,754 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

कृषि एवं किसान कल्याण का बजट आवंटन 1.71 लाख करोड़ रु पये किया गया है जो पिछले वर्ष के बजट की तुलना में 11 फीसद अधिक है। केंद्रित कार्यक्रमों और निवेशों के माध्यम से ग्रामीण विकास को आगे बढ़ाने बढ़ाने के उद्देश्य से जल जीवन मिशन, भारतनेट परियोजना जैसी प्रमुख पहलों की रूपरेखा तैयार की गई है। ये सभी बजट व्यवस्थाएं ग्रामीण विकास और किसानों का जीवन स्तर बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई दे सकेंगी लेकिन हमें ग्रामीण भारत के विकास और किसानों की प्रगति के लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। देश के 95 फीसद किसान अभी भी आधुनिक खेती की तकनीक नहीं अपना रहे। इसका कारण सेटअप में लगने वाला समय, ज्यादा लागत, निवेश पर रिटर्न को लेकर अस्पष्टता जैसे कारक हैं। हमें इस तथ्य पर भी ध्यान देना होगा कि भारतीय किसान ऑनलाइन खरीदारी में दुनिया में बहुत पीछे हैं। करीब 42 फीसद किसानों का कहना है कि उन्हें ऑनलाइन विक्रेताओं से पर्याप्त ग्राहक सेवा और लचीले भुगतान का विकल्प नहीं मिलता। देश में प्रत्येक किसान परिवार औसतन 74,121 रु पये के कर्ज तले दबा हुआ है।

हम उम्मीद करें कि सरकार खास तौर से ग्रामीण गरीबी का सामना कर रहे परिवारों के युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और डिजिटल कौशल से सुसज्जित करके रोजगार से सशक्तिकरण का रणनीतिक अभियान आगे बढ़ाएगी। हम उम्मीद करें कि सरकार विकसित भारत 2047 के लिए आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत के परिप्रेक्ष्य में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और सशक्त बनाने की डगर पर आगे बढ़ेगी, इससे भी ग्रामीणों की आमदनी में तेजी से वृद्धि होगी तथा इससे किसानों को मुस्कुराहट देने का एक और नया अध्याय लिखा जा सकेगा।

घर पर आसानी से बनाया जा सकता है डियोड्रेंट, जानिए तरीके

पसीने की बदबू और चिपचिपाहट से बचाने में डियोड्रेंट काफी मदद कर सकता है, लेकिन मार्केट की बजाय घर पर ही इसे बनाकर इस्तेमाल करें। दरअसल, मार्केट में मौजूद अधिकतर डियोड्रेंट केमिकल्स से युक्त होते हैं, जिनके इस्तेमाल से त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है। आइए आज हम आपको पांच तरह के डियोड्रेंट बनाने के तरीके बताते हैं, जिनका इस्तेमाल न सिर्फकाफी असरदार है बल्कि त्वचा के लिए सुरक्षित भी है।

बेकिंग सोडा और कॉर्नस्टार्च डियोड्रेंट

बेकिंग सोडा और कॉर्नस्टार्च से बना डियोड्रेंट पसीने को जल्दी सोखने और गंध पैदा करने वाले कीटाणुओं को खत्म करने में सहायक है। सबसे अच्छी बात यह है कि ये दोनों सामग्रियां किसी भी किराने की दुकान से आसानी से मिल सकती है। डियोड्रेंट बनाने के लिए एक कंटेनर में छह चम्मच कॉर्नस्टार्च और एक चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं। ध्यान रखें कि इस मिश्रण में पानी नहीं मिलाना है। इसके बाद इस मिश्रण का इस्तेमाल अपनी कांख पर करें।

नारियल के तेल और क्लारी सेज एसेंशियल ऑयल का डियोड्रेंट

नारियल के तेल और क्लारी सेज एसेंशियल ऑयल से बना डियोड्रेंट संवेदनशील त्वचा के लिए सुरक्षित है और इसका इस्तेमाल आपको तरोताजा महसूस कराने में मदद करेगा। डियोड्रेंट बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में पानी गर्म करके उसके अंदर एक कटोरी रखें, फिर उसमें शिया बटर और नारियल का तेल मिलाएं। इसके बाद इसमें ग्रेपफ्रूट और क्लारी सेज एसेंशियल ऑयल और विटामिन-श्च ऑयल मिलाएं। अब गैस बंद करके इसे ठंडा होने दें और आपका डिओडोरेंट तैयार है।

लेमनग्रास डियोड्रेंट स्प्रे

लेमनग्रास की खुबियों से भरपूर डियोड्रेंट पसीने के कीटणुओं को दूर करके त्वचा को साफऔर महकाने में मदद कर सकता है। डियोड्रेंट बनाने के लिए सबसे पहले एक स्प्रे बोतल में सेब का सिरका, लैवेंडर एसेंशियल ऑयल, लेमनग्रास एसेंशियल ऑयल और टी ट्री एसेंशियल ऑयल मिलाएं, फिर इसमें डिस्टिल्ड वॉटर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब बोतल का ढक्कन लगाएं, फिर इस मिश्रण का इस्तेमाल बतौर डियोड्रेंट करें।

शिया बटर और कोकोआ बटर का डियोड्रेंट

डियोड्रेंट बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में पानी गर्म करके उसके अंदर एक कटोरी रखें, फिर उसमें शिया बटर और कोकोआ बटर समेत अपने पसंदीदा एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदें डालें। जब शिया बटर और कोकोआ बटर पिघल जाए तो उसमें बेकिंग सोडा और अरारोट पाउडर मिलाएं। अब गैस बंद करके इस मिश्रण को 24 घंटे के लिए ढककर रख दें, फिर इसे फ्रिज में सेट होने के लिए रखें। इसके बाद आपका डियोड्रेंट तैयार हो जाएगा।

गुलाब जल और लैवेंडर एसेंशियल ऑयल का डियोड्रेंट

गुलाब जल शरीर की दुर्गंध को दूर रखने में बेहद कारगर है और यह पसीने के उत्पादन को कम करने में भी मदद करता है, जबकि लैवेंडर एसेंशियल ऑयल में मौजूद गुण त्वचा को पोषण प्रदान करने के साथ इसे महकाने में सहायक है। डियोड्रेंट बनाने के लिए एक स्प्रे बोतल में ताजा गुलाब जल, सेब का सिरका, लैवेंडर एसेंशियल ऑयल और टी ट्री ऑयल मिलाएं। अब इसका इस्तेमाल बतौर डियोड्रेंट करें।

पोस्टपार्टम डिप्रेशन: क्या आपको भी आता है बार-बार रोना

मां बनने के बाद महिला का जीवन पूरी तरह बदल जाता है। 9 महीने तक बच्चे को अपनी कोख में रखने के बाद जब महिला बच्चे को जन्म देती है तो एक तरह से महिला का भी वो नया जन्म होता है। जो प्यार, स्नेह, जिम्मेदारियों से भरा होता है। इस समय नई मां कई तरह के शारीरिक और मानसिक उतार-चढ़ाव से गुजरती है। इस दौरान उन्हें बार-बार रोना आता है। वो बहुत चिड़चिड़ी हो जाती हैं। उन्हें बात-बात पर गुस्सा आने लगता है।

वो दिन-रात तनाव में रहती हैं। उन्हें जिंदगी अधूरी सी लगती है। ऐसा क्यों होता है, क्या आपको पता है इसके पीछे पोस्टपार्टम डिप्रेशन है।

रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में हर 7 में से 1 महिला को पोस्टपार्टम डिप्रेशन की समस्या हो सकती है। आइए जानते हैं इसके बारे में।

क्या होता है पोस्टपार्टम डिप्रेशन

बच्चे के जन्म के कुछ दिनों बाद मां को पोस्टपार्टम डिप्रेशन हो सकता है। यह एक गंभीर समस्या है। इसके अलावा ये डिलीवरी के पहले, दूसरे और तीसरे महीने में हो सकता है। ऐसा होने पर महिला को अबॉर्शन तक हो सकता है। इतना ही नहीं मृत बच्चा भी पैदा हो सकता है। इसमें मां का ध्यान बच्चे से हटने लगता है। उनका बच्चे से इमोशनल कनेक्शन भी खत्म होने लगता है।

पोस्टपार्टम डिप्रेशन के लक्षण

बार-बार रोना आना
चिड़चिड़ापन
मूड स्विंग होना
बात करने का मन न होना
बात-बात पर गुस्सा आना
बच्चे से लगाव न हो पाना
किसी काम पर फोकस न कर पाना
दर्द होना या किसी बीमारी का एहसास
सेल्फ कॉन्फिडेंस में कमी

क्यों होता है पोस्टपार्टम डिप्रेशन

हार्मोनल चेंजेस
परिवार या पार्टनर का सपोर्ट न होना
इमोशनल चेंज
प्रेगनेंसी में कॉम्प्लिकेशन
पहले से कोई हेल्थ प्रॉब्लम
फैमिली हिस्ट्री

पोस्टपार्टम डिप्रेशन से कैसे करें बचाव

पोस्टपार्टम डिप्रेशन से बचने के लिए इलाज और काउंसलिंग की जरूरत होती है।

इससे एक महीने में इससे छुटकारा पाया जा सकता है।

पोर्टपार्टम डिप्रेशन से बचने के लिए अच्छी डाइट, भरपूर नींद लेनी चाहिए।

स्ट्रेस होने पर काउंसलर के पास जाना चाहिए।

वजन बढने पर घबराने की बजाय डाइटिशियन की मदद लें।

परिवार और दोस्तों से मिलकर उनके साथ समय बिताएं।

जल्दी से जल्दी वजन कैसे कम करें? काम आएंगे ये टिप्स

बदलती लाइफस्टाइल और खराब खान-पान के चलते अधिकतर लोगों को वजन बढने की शिकायत का सामना करना पड़ता है। इससे निपटने के लिए तमाम तरह के टिप्स अपना चुके लोगों को अपने रहन-सहन में बदलाव करना होगा, जिससे आपका वजन कंट्रोल में रह सके। तो आज हम आपके लिए ऐसे छोटे-छोटे टिप्स लेकर आए हैं, जिसे फॉलो करने के बाद आसानी सी जल्दी से जल्दी वजन कम होने लगेगा।

रोज सुबह पिएं एक गिलास पानी

माना जाता है कि अगर आप रोज सुबह खाली पेट 1-2 गिलास पानी पिएंगे तो इससे आपका पेट फिट रहेगा और पाचन शक्ति भी मजबूत होगी। इसको नियामित तौर पर करने से वजन भी कंट्रोल में रहेगा। कई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ऐसा करने से मेटॉबॉल्जिम भी बढ़ता है, जिससे आपका वजन नहीं बढ़ता है।

खाने से आधे घंटे पहले पेट भर पानी पिएं

इसके अलावा आप खाने से आधा घंटा पहले पेट भर के पानी पी सकते हैं। इससे आपको फायदा मिलेगा। दरअसल, ऐसा करने से आपको अधिक भोजन खाने का मन नहीं करेगा और आप अपका वजन कंट्रोल में आ जाएगा। हालांकि, कमजोरी न आए, इसलिए आप अपनी डाइट में ड्राई फ्रूट्स को भी अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

इन चीजों को खाने से बचें

- इसके अलावा ज्यादा ऑयली चीजें जैसे- बर्गर, पिज्जा खाने से बचें। इससे न सिर्फआपका वजन बढ़ता है बल्कि कई प्रकार की समस्याएं भी आपके घरेने लगती हैं।

- शुगर युक्त चीजों का सेवन कम से कम करना चाहिए, क्योंकि इससे भी आपका वजन बढ़ सकता है। ऐसे में आपको सीमित मात्रा में शुगर का सेवन करना चाहिए।

- जो लोग एक्सरसाइज नहीं करते हैं, उन्हें आज से ही अपनी खराब आदतों को बदलना होगा, ताकी किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो।

चूड़ी पहनने में होती है दिक्कत? तो अपनाएं ये तरीके

जैसे ही किसी महिला का वजन बढ़ता है वैसे ही न सिर्फकपडे छोटे और टाइट हो जाते हैं इसके साथ उन्हें चूडियों को पहनने में भी काफी दिक्कत आती है। कई बार जब महिलाये थोड़ा हाथों और चूड़ी पर दबाव डाल के चूड़ी पहनने की कोशिश करती हैं ऐसे में चूड़ी ही टूट जाती है। इसके कारण चोट लगने की भी सम्भवना होती है। इसलिए हम आपको बताने जा रहे हैं की वजन बढने के बाद भी किस तरह से आप चूडियों को आराम से पहन सकते हैं। चलिए जानते हैं।

चूडियां पहनते समय फॉलो करें ये टिप्स

प्लास्टिक ग्लव्स

आप प्लास्टिक ग्लव्स की मदद से भी आसानी से हाथों में चूडियां पहन सकती हैं। सबसे पहले इसके लिए आपको एक प्लास्टिक के हैंड ग्लव्स की जरूरत होगी जो कि आपको बाजार में आसानी से मिल जाएगा। हाथों में अच्छे से प्लास्टिक हैंड ग्लव्स पहन ले और फिर टाइट चूड़ी को गोल-गोल घुमाते हुए कलाई में डालें। एक बार अंगूठे की हड्डी को चूड़ी जैसे ही पार कर ले उसे कलाई तक लाना आसान हो जाता है। इसके बाद आप हैंड ग्लव्स को रिमूव कर दें। इस विधि से आप कांच और मेटल दोनों ही तरह की चूडियों को पहन सकती हैं।

वेजिटेबल प्लास्टिक

वेजिटेबल प्लास्टिक आपको बाजार में आसानी से मिल जाएगी। इस प्लास्टिक की मदद से भी आप चूड़ी पहन सकते हैं। वेजिटेबल प्लास्टिक से अपने हाथों को अच्छी तरह से साफकर लें। इससे प्रक्रिया में आपको जरा सी भी तकलीफनहीं होगी। जब आपकी हथेली अच्छी तरह से प्लास्टिक में रात हो जाए। इसके बाद एक-एक करके चूडियों को पहन ले। इस तरह से आप बहुत जल्दी चूडियां पहन सकेंगी।

हैंड क्रीम

सबसे आसान तरीका होता है। हैंड क्रीम को हाथों में लगाकर चूड़ी पहनने का आप अपने हाथों में मॉइश्चराइजर या फिर कोई भी हैंड क्रीम लगा सकती हैं। आप इसके अलावा घी या फिर नारियल के तेल का भी इस्तेमाल कर सकती है, लेकिन इससे आपके हाथ ज्यादा चिकने हो जाएंगे। इसीलिए आप हैंड क्रीम को ही लगाना प्रेफर करें।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

व्हेल की समुचित देखभाल और संरक्षण नितांत आवश्यक

योगेश कुमार गोयल

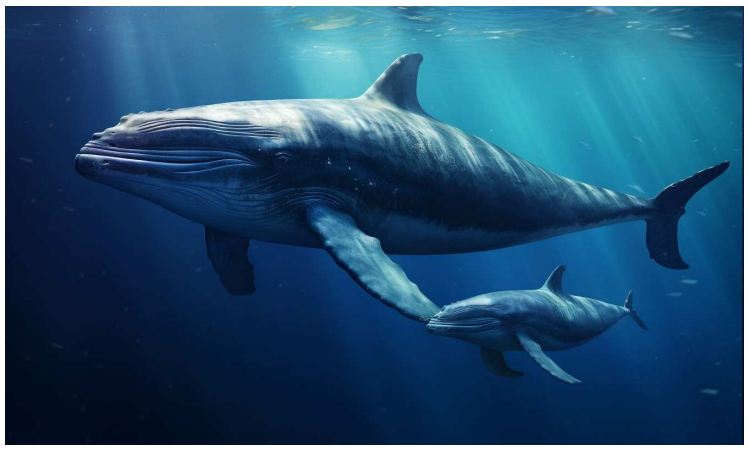

व्हेल विश्व का सबसे विशालकाय जलीय स्तनधारी प्राणी है, जिसके बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से अभियान चलाए जाते हैं। नीली गहराइयों की प्रहरी व्हेल की समुचित देखभाल और संरक्षण करने का संकल्प लेने के उद्देश्य से हर साल विश्व व्हेल दिवस' भी मनाया जाता है, फरवरी माह में मनाया गया। 17वीं सदी में कुछ बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा व्हेल का मांस, तेल व परफ्यूम बनाने के लिए बड़े पैमाने पर इसका शिकार किया जाने लगा। औद्योगिक पैमाने पर शिकार से इनकी कई प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं।

अंतरराष्ट्रीय व्हेलिंग आयोग' के अनुमान के अनुसार दुनिया में डेढ़ मिलियन व्हेल बची हैं। 1986 में अंतरराष्ट्रीय व्हेलिंग आयोग ने व्हेल के व्यावसायिक शिकार पर प्रतिबंध लगाया था किंतु फिर भी व्हेल का शिकार हो रहा है। सदियों से मानव सभ्यता के साथ जुड़ी व्हेल का समुद्र में 5 करोड़ वर्षों से अस्तित्व माना जाता है। स्पर्म व्हेल, किलर व्हेल, पायलट व्हेल, बेलुगा व्हेल आदि कई प्रजातियां हैं, जिनमें धरती का सबसे विशाल और वजनदार प्राणी ब्ल्यू व्हेल को माना जाता है। 1909 में दक्षिण अटलांटिक महासागर के दक्षिण जॉर्जिया के समुद्र तट पर मिली 110 फुट लंबी नीली व्हेल अब तक की सबसे विशालकाय व्हेल है। ब्ल्यू व्हेल का वजन 200 टन यानी 1.81 लाख किग्रा. होता है, जो 98 फुट चौड़ी होती है, और गर्मी के मौसम में चार करोड़ किल (छोटे जलीय जीव) खा जाती है। इसके हृदय का वजन 600 किग्रा. और मस्तिष्क 7 किग्रा. का होता है जबकि जीभ का वजन 3000 किग्रा. होता है। ब्ल्यू व्हेल के शरीर में सात हजार किग्रा. रक्त होता है, और जब यह जीव महासागरों में घूमता है, तो बड़े-बड़े जहाज भी इसे देख रास्ता बदल लेते हैं।

व्हेल के व्यवहार को लेकर वैज्ञानिकों ने जो जानकारियां जुटाई हैं, उनके अनुसार यह जिंदादिल जीव है। जब इसके बच्चे का जन्म होता है तो नन्हे ब्ल्यू की लंबाई 20-25 फुट और वजन 2.7 टन होता है। बच्चा तेजी से बड़ा होता है, जिसका वजन प्रति दिन 90 किग्रा. तक बढ़ जाता है। 6 माह में ही बच्चा 40-50 फुट बड़ा हो जाता है। हालांकि विशालकाय होने के बावजूद व्हेल इंसानों के लिए खतरनाक नहीं होती। वैसे पिग्मी स्पर्म व्हेल जैसी छोटी प्रजातियां 11 फुट तक की ही होती हैं। व्हेल महासागरों के गहरे पानी में औसतन 40 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से कहीं से कहीं पहुंच जाती हैं, लेकिन बच्चे को जन्म देना होता है तो मादा ब्ल्यू व्हेल सागर में गर्म पानी वाले गहरे क्षेत्र में चली जाती हैं। इनकी सर्वाधिक संख्या सबसे बड़े सागर प्रशांत महासागर में है। व्हेल का खून गर्म होता है। अन्य स्तनधारी प्राणियों की तरह यह हवा में सांस लेती है, बच्चे को जन्म देती है, दूध पिलाती है।

मादा व्हेल एक बार में एक बच्चे को जन्म देती है। पानी के अंदर सांस लेने के लिए व्हेल में अन्य मछलियों की भांति गिल्स नहीं होते, बल्कि स्तनधारी प्राणी की भांति यह फेफड़ों से सांस लेती है, और सांस लेने के लिए उसे पानी की सतह पर आना पड़ता है। सांस लेने के लिए इसके सिर पर छिद्र होता है। सतह पर आने के बाद व्हेल पहले शरीर की अशुद्ध हवा बाहर निकाल कर शुद्ध हवा अपने भीतर लेती है। जब अपने शरीर की हवा बाहर निकालती है, तब तेज आवाज आती है। बार सांस लेने के बाद व्हेल 45 मिनट तक पानी के भीतर रह सकती है। अपने साथियों से संपर्क करते समय व्हेल मधुर ध्वनि निकालती हैं, जिसे व्हेल सॉन्ग' कहा जाता है। 20 हजार वॉट के बराबर यह ध्वनि मीलों सुनी जा सकती है। व्हेल की गर्दन लचीली होती है, जो तैरते समय गोल घूम सकती है। इसकी पूंछ के अंत में दो सिरे इसके तैरने में सहायक होते हैं।

व्हेल को लेकर सबसे विचित्र बात यह है कि यह लंबे समय तक नहीं सो सकती। सोते समय इसके दिमाग का आधा हिस्सा जगा होता है, और आधा सोता है, जिससे यह डूबने से बची रहती है। इसके शरीर का आकार इस तरह गोल होता है कि यदि सो जाए तो डूब कर मर जाती है। व्हेल में अपने परिवार के साथ रहने की प्रवृत्ति होती है, जो महासागरों में अकेले या स्थायी समूहों में रह कर यात्रा करती है। शिकार के अलावा प्रदूषण का असर भी व्हेल सहित अन्य समुद्री जीवों पर पड़ रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि व्हेल रोजाना कई किलो माइक्रोप्लास्टिक निगल रही है, जिससे उसके स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। शोध के मुताबिक, ब्लू व्हेल प्रति दिन एक करोड़ माइक्रोप्लास्टिक के टुकड़े (करीब 43.5 किग्रा.) प्लास्टिक निगल सकती है जबकि फिन व्हेल रोजाना 0.6 करोड़ माइक्रोप्लास्टिक के टुकड़े (करीब 26 किग्रा.) निगल जाती है। शोध के मुताबिक हंपबैक रोजाना 0.4 करोड़ माइक्रोप्लास्टिक के टुकड़े (करीब 17 किग्रा.) प्लास्टिक निगल सकती है। कुला मिला कर व्हेल के साथ-साथ अन्य समुद्री जीवों के लिए भी उनके रहने के लिए सुरक्षित स्थान बनाने के लिए गंभीर कार्रवाई की नितांत आवश्यकता है।

शब्द सामर्थ्य -090

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

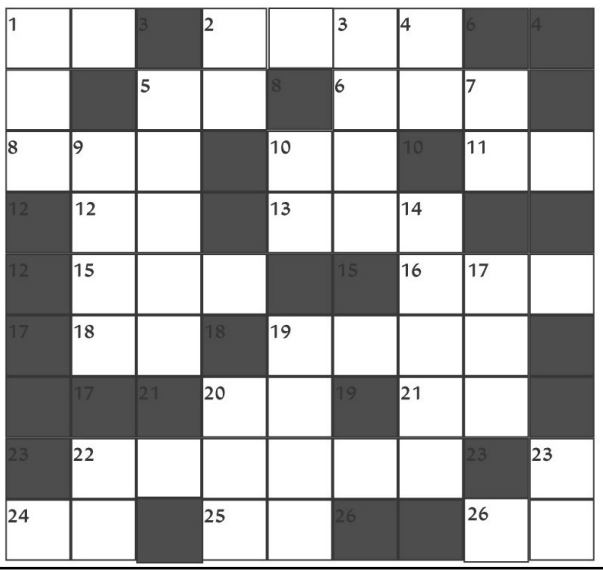

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 089 का हल

स्वा	द		सा	म	ना		कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट		ना	क	क	ट	ना
बी		प				ड़ी		प
	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो			र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	
म	क	र		सी	ल			
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

नादानियां 7 मार्च को नेटफ्लिक्स पर देगी दस्तक

इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर स्टारर फिल्म 'नादानियां के निर्माताओं ने रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। फिल्म 7 मार्च को ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने के लिए तैयार है।

'नादानियां' इब्राहिम अली खान की पहली फिल्म है। वहीं, खुशी कपूर की यह 'द आर्चीज', 'लवयापा' के बाद तीसरी फिल्म है।

नेटफ्लिक्स के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल ने इसकी घोषणा की और लिखा, कुछ कुछ होता है ऐसी नादानियां देखकर, 7 मार्च को सिर्फ नेटफ्लिक्स पर नादानियां रिलीज हो रही है।'नादानियां' में इब्राहिम अली के किरदार का नाम अर्जुन मेहता है। वहीं, खुशी कपूर के किरदार का नाम 'पिया जय सिंह' हैं।

'नादानियां' जेन जेड के रोमांस, प्यार और उसमें आने वाले मुश्किलों को पर्दे पर उतारती है। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म 'नादानियां' के दूसरे ट्रैक 'गलतफहमी' को रिलीज किया है।

फिल्म का गाना प्यार के बीच आने वाली मुश्किलों को दिखाता है। इंस्टाग्राम हैंडल पर गाना शेयर करते हुए निर्माताओं ने लिखा, उन लोगों के लिए जिन्होंने प्यार किया, खोया और कभी समझा नहीं पाए! 'गलतफहमी' गाना रिलीज हो चुका है।

'गलतफहमी' गाने को सचिन-जिगर ने कंपोज किया है और गीतकार अमिताभ भट्टाचार्य ने गाने के बोल लिखे हैं। ट्रैक को आवाज तुषार जोशी और मधुबंती बागची ने दी है। इब्राहिम ने कहा, 'गलतफहमी' में कुछ ऐसा है जिससे आप जुड़ सकेंगे। यह वास्तविक है और दिल टूटने के दर्द को दिखाता है। मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि दर्शक इससे कैसे जुड़ते हैं। यह प्यार और नुकसान का एक ऐसा पहलू है जो भरोसेमंद है।

खुशी ने कहा, 'गलतफहमी' ने मुझे व्यक्तिगत रूप से प्रभावित किया और यह 'नादानियां' एल्बम के मेरे पसंदीदा ट्रैक में से एक है। मुझे विश्वास है कि दर्शक गलतफहमी के साथ जुड़ाव महसूस करेंगे। मैं लोगों के बीच इसे पेश करके काफी खुश हूंशौना गौतम के निर्देशन में बनी 'नादानियां' को धर्मा एंटरटेनमेंट के तहत करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा ने तैयार किया है। यह फिल्म प्यार के कॉन्सेप्ट को एक नए मोड़ के साथ पेश करती है।

इस फिल्म इब्राहिम अली खान, खुशी कपूर के साथ अभिनेत्री महिमा चौधरी, सुनील शेट्टी, दीया मिर्जा और जुगल हंसराज भी अहम भूमिकाओं में हैं।

जूनियर एनटीआर-प्रशांत नील की एनटीआरनील की शूटिंग शुरू

जूनियर एनटीआर और निर्देशक प्रशांत नील की अपकमिंग फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। अभी तक फिल्म का टाइटल अनाउंस नहीं हुआ है इसीलिए इसे दोनों के नामों को जोडक़र एनटीआरनील कहा जा रहा है। 2024 में इसकी अनाउंसमेंट के बाद से ही इस प्रोजेक्ट का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा था। आखिरकार हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में एक प्रोटेस्ट सीक्वेंस को फिल्माए जाने के साथ इसकी शुरूआत हो गई है। इस फिल्म को पुष्पा 2 के प्रोडक्शन हाउस मैथ्री मूवी मेकर्स के बैनर तले बनाया जा रहा है।

इंस्टाग्राम पर फिल्म के मेकर्स ने फिल्म की शूटिंग के पहले दिन की एक तस्वीर शेयर की। सेट से पहला लुक शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, आखिरकार सॉइल ने भारतीय सिनेमा के इतिहास की किताबों में अपनी छाप छोडऩे के लिए अपने दौर का स्वागत किया। फिल्म की शूटिंग ऑफिशियल तौर पर शुरू हो गई है। शूटिंग की तस्वीर ने दर्शकों के बीच एक्साइटमेंट भी पैदा कर दी है।

शेयर की गई तस्वीर में एक बहुत ही जोरदार एक्शन सीक्वेंस दिखाया गया है, जिसमें बहुत भीड़ है। इसमें जले हुए वाहनों, बैरिकेड्स और सडक़ों पर बहुत सारे लोगों के साथ एक प्रोटेस्ट रैली का सीन दिखाया गया है। हालांकि तस्वीर में जूनियर एनटीआर नजर नहीं आए।

इस फिल्म के लिए दर्शक काफी एक्साइटेड हैं क्योंकि इस फिल्म में जूनियर एनटीआर, प्रशांत नील के साथ पहली बार कोलेब कर रहे हैं। नील को केजीएफ और सालार जैसी सफल फिल्मों के लिए जाना जाता है। नील के विजन के साथ एनटीआर की स्क्रीन प्रेजेंस बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने वाली है। वहीं इसका प्रोडक्शन हाउस भी पुष्पा और पुष्पा 2 जैसी सुपरहिट फिल्म बनाने वाला मैथ्री मूवी मेकर्स है। यह फिल्म जनवरी 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

साड़ी पहन नोरा फतेही ने इंटरनेट पर गिराई हुस्न की बिजलियां

अपने डांस मूव्स और बोल्ड फिगर को लेकर अक्सर चर्चाओं में रहने वाली एक्ट्रेस नोरा फतेही लोगों के बी काफी पॉपुलर हैं। उन्होंने अपनी हॉटनेस से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वो कहर बरपाती हुई नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस नोरा फतेही अपनी डांसिंग स्किल्स से फैंस को अक्सर दीवाना बना देती हैं। उनका किलर लुक इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने ट्रेडिशनल आउटफिट में कुछ बेहद खूबसूरत फोटोज शेयर की हैं।

इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं नोरा फतेही ने बेहद ही खूबसूरत शिमरी लुक में साड़ी पहनी हुई है। एक्ट्रेस अपने इस लुक से इंटरनेट पर बवाल काट रही हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर कॉमेंट्स और लाइक्स करते हुए नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

नोरा फतेही की इन फोटोज को इंस्टाग्राम पर पोस्ट हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक 3 लाख से भी ज्यादा यूजर्स ने तस्वीरों पर लाइक कर दिया है। वहीं, एक हजार से भी ज्यादा लोगों ने कॉमेंट किया है।

खुले बाल, लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस नोरा फतेही ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनका ये कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से मंत्रमुग्ध हो गए हैं। उनका हर एक अंदाज सोशल मीडिया पर आते ही बवाल मचाने लगता है।

नोरा फतेही सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उन्हें 47 मिलियन यूजर्स फॉलो करते हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके फैशन स्टेटमेंट्स को देखकर अक्सर दीवाने हो जाते हैं।

मुझे दुख पहुंचाने का किसी को अधिकार नहीं: ईशा मालवीय

अभिनेत्री ईशा मालवीय ने सोशल मीडिया पर नकारात्मकता का सामना करने के बारे में बात की। उन्होंने ट्रोल करने वालों को करारा जवाब देते हुए कहा कि वह उन्हें अपने जीवन का हिस्सा नहीं मानतीं और वह अब किसी को भी दुख पहुंचाने का अधिकार नहीं देतीं।

सोशल मीडिया पर एक्टिव अभिनेत्री ने कहा, मैं इन लोगों को अपने जीवन का हिस्सा भी नहीं मानती। व्यक्तिगत रूप से मैं किसी की पोस्ट पर नकारात्मक या सकारात्मक कमेंट करने में अपना समय बर्बाद नहीं करूंगी। यह बेकार है। लेकिन कुछ लोगों के पास नकारात्मक कमेंट करने के लिए इतना समय और एनर्जी होती है। मैं सच में नहीं समझ पाती कि वे इतने स्वतंत्र कैसे और क्यों हैं?

अभिनेत्री ने कहा कि ऐसे दिन भी आते हैं, जब वह उदास महसूस करती हैं और ऐसे में वह अपने माता-पिता से बात करना पसंद करती हैं।

उन्होंने कहा, मैं अब किसी को भी मुझे दुख पहुंचाने का अधिकार नहीं देती। अब मैं ही एकमात्र व्यक्ति हूं, जो खुद को दुख पहुंचा सकती हूं। पहले मैंने लोगों को मुझे दुख पहुंचाने की अनुमति दी थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है।

उन्होंने कहा कि वह अपनी जिंदगी में माता-पिता के साथ दादी को महत्वपूर्ण स्थान देती हैं। उन्होंने कहा, अभी भी ऐसे दिन हैं, जब आपको लगता है कि आपको किसी की जरूरत है और मेरे लिए वह मेरी मां, पिता और मेरी दादी मां हैं।

जब उनसे पूछा गया कि वह सुर्खियों में रहने के बाद अपनी पर्सनल लाइफ को कैसे मैनेज करती हैं तो ईशा ने कहा, जब आप एक सेलिब्रिटी होते हैं और लगातार लोगों की नजरों में रहते हैं, तो आपका जीवन निजी नहीं रह जाता है। लोग आपके बारे में जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। ऐसे में आप जो भी करते हैं या जीवन में जो भी करना चाहते हैं, उसे लेकर आपको सावधान रहना होगा। कई बार मैं घर पर केवल आराम करना चाहती हूं।

ईशा ने आगे कहा, मैं अपने आस-पास किसी भी पपराजी को नहीं चाहती। मैं बस अपने परिवार या स्कूल के दोस्तों के साथ रहना चाहती हूं, जो इस इंडस्ट्री से नहीं हैं। ऐसे दिन भी होते हैं, जब मुझे अपनी प्राइवेसी का सम्मान करने और उसे बनाए रखने की जरूरत महसूस होती है।

गजराज राव की दुपहिया का ट्रेलर जारी, एक मोटरसाइकिल के चक्कर मचा घमासान

प्राइम वीडियो ने अपनी आगामी ओरिजिनल सीरीज़ दुपहिया का दिलचस्प ट्रेलर जारी किया। सलोना बैंस जोशी और शुभ शिवदासानी द्वारा उनके बैनर बॉम्बे फिल्म कार्टेल के तहत रचित और कार्यकारी निर्मित है। सोनम नायर द्वारा निर्देशित और अविनाश द्विवेदी एवं चिराग गर्ग द्वारा लिखित और रचित यह सीरीज़ एक काल्पनिक गांव धडक़पुर की पृष्ठभूमि पर आधारित एक कॉमेडी-ड्रामा है, जो छोटे शहर के आकर्षण के साथ हास्य और नाटक का अनूठा मिश्रण पेश करती है। मज़ेदार किरदारों, अराजकता और रहस्यमयी घटनाओं के बेहतरीन मेल के साथ, इस ओरिजिनल सीरीज़ को एक शानदार और बहुप्रतिभाशाली कलाकारों की टीम ने जीवंत बनाया है, जिसमें गजराज राव, रेणुका शहाणे, भुवन अरोड़ा, स्पर्श श्रीवास्तव, शिवानी रघुवंशी, और यशपाल शर्मा मुख्य भूमिकाओं में नजऱ आएंगे। यह सीरीज 7 मार्च को भारत और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में प्राइम वीडियो पर विशेष रूप से स्ट्रीम की जाएगी।

ट्रेलर की शुरुआत काल्पनिक गांव धडक़पुर से होती है, जिसे बिहार का बेल्जियम भी कहा जाता है। यह गांव अपने 25 वर्षों तक अपराध-मुक्त रहने का जश्न मनाने की तैयारी कर रहा है। लेकिन तभी अराजकता फैल जाती है, जब शादी के तोहफे के रूप में खरीदी गई एक अनोखी मोटरसाइकिल शादी से ठीक 7 दिन पहले चोरी हो जाती है! अब, जब शादी का भविष्य अधर में लटक जाता है, तो दुपहिया को खोजने के लिए परिवार और दुल्हन के पूर्व प्रेमी की यात्रा इस कॉमेडी का केंद्र बन जाती है, जो साधारण लोगों की आशाओं और सपनों को खूबसूरती से दर्शाती है।

दुपहिया में दुल्हन के पिता बनवारी झा की भूमिका निभा रहे गजराज राव ने सीरीज़ को लेकर अपना उत्साह साझा किया, दुपहिया ऐसा प्रोजेक्ट है, जिसका हिस्सा बनकर मैं वाकई रोमांचित हूं। एक गणित शिक्षक, बनवारी झा का किरदार निभाना, जो अपनी बेटी की खुशी के लिए गणनाओं को किनारे रखकर सिर्फ दिल की सुनता है, और मेरे लिए यह एक शानदार अनुभव रहा। यह सीरीज़ सलोना बेंस जोशी, सोनम नायर और शुभ शिवदासानी के बेहतरीन सहयोग का नतीजा है, जिसमें एक जबरदस्त कास्ट और क्रू ने काम किया है। यह छोटे शहर की ज़िंदगी की खूबसूरती, उसके अनोखेपन, हलचल और आकर्षण को शानदार तरीके से प्रस्तुत करती है, जहां हास्य और भावनाओं का खूबसूरत मिश्रण देखने को मिलेगा। मैं दर्शकों के साथ इस मज़ेदार और हंसी से भरपूर सफऱ को साझा करने के लिए उत्सुक हूं, जब दुपहिया 7 मार्च को प्राइम वीडियो पर रिलीज़ होगी।

रेणुका शहाणे, जो सीरीज़ में सरपंच पुष्पलता की भूमिका निभा रही हैं, ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, पुष्पलता का किरदार अब तक निभाए गए किसी भी किरदार से बिल्कुल अलग है। धडक़पुर की एक दृढ़-संकल्पी और दिलचस्प सरपंच के रूप में, इस भूमिका ने मुझे एक अभिनेत्री के रूप में अपनी क्षमताओं को तलाशने और उसमें विस्तार करने का अवसर दिया। सोनम नायर और इस शानदार कास्ट के साथ काम करना अविश्वसनीय रूप से संतोषजनक अनुभव था और इसका प्रभाव सीरीज़ के हर दृश्य में देखने को मिलता है। दुपहिया एक बेहतरीन हृदयस्पर्शी कॉमेडी है, जो छोटे शहरों के लोगों की उम्मीदों, सपनों और आकांक्षाओं को खूबसूरती से दर्शाती है। मैं 7 मार्च को भारत और दुनिया भर में प्राइम वीडियो के दर्शकों के साथ इस सीरीज़ को साझा करने के लिए उत्साहित हूं।

सीरीज़ में रोशनी झा (दुल्हन) की भूमिका निभा रही शिवानी रघुवंशी ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा, दुपहिया में रोशनी झा का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद आनंददायक रहा। वह एक मज़ेदार और प्यारा किरदार है, जो अपनी ही दुनिया में रहती है, लेकिन उसे अच्छे से पता है कि वह क्या चाहती है। वह मासूम है, लेकिन दृढ़संकल्पी भी, परिस्थितियों से प्रभावित हुए बिना अपनी बात बेझिझक कहने वाली। यह अब तक निभाए गए किसी भी किरदार से अलग अनुभव था। रोशनी को जीवंत करना मेरे लिए रोमांचक और चुनौतीपूर्ण दोनों था। दुपहिया की पूरी यात्रा, स्क्रिप्ट से लेकर इस अविश्वसनीय टीम तक, मेरे लिए बेहद खास रही। सेट की ऊर्जा ने इसे मेरे अब तक के सबसे बेहतरीन अनुभवों में से एक बना दिया। मेड इन हेवन के बाद प्राइम वीडियो पर लौटना घर आने जैसा लगता है, लेकिन इस बार एक बिल्कुल अलग तरह के वेडिंग ड्रामा के साथ।

स्पर्श श्रीवास्तव, जो सीरीज़ में भुगोल की भूमिका निभा रहे हैं, ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, दुपहिया मेरे लिए एक अविश्वसनीय सफर रहा, जिसे इस शानदार कास्ट और क्रू ने और भी खास बना दिया। लेकिन जो चीज़ मेरे लिए सबसे अलग रही, वह यह है कि यह मेरी पहली कॉमेडी-ड्रामा सीरीज़ है, जिसने मुझे मेरे कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकालकर कुछ नया करने का मौका दिया। मेरा किरदार, भुगोल, एक प्यारा और अजीबोगरीब इंसान है- एक ऐसा महत्वाकांक्षी इंफ्लुएंसर, जिसकी शख्सियत रंगीन और फैशन-फॉरवर्ड है, और जिसका दिल एक सपने देखने वाले की तरह मासूम है। उसे जीवंत करना मेरे लिए एक बेहद संतोषजनक अनुभव था। मैं दर्शकों को धडक़पुर और दुपहिया की मस्ती और अराजकता का अनुभव कराने के लिए बेकरार हूं, जब यह 7 मार्च को प्राइम वीडियो पर प्रीमियर होगी।

भुवन अरोड़ा, जो सीरीज़ में अमावस की भूमिका निभा रहे हैं, ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, दुपहिया में मेरा किरदार अब तक निभाए गए किसी भी किरदार से अलग है। वह शब्दों से ज्यादा अपनी ख़ामोशी के जरिए संवाद करता है, और यही बात मुझे इस भूमिका के प्रति आकर्षित कर गई। उसके व्यक्तित्व की गहराइयों को तलाशना मेरे लिए एक शानदार अनुभव रहा। यह सीरीज सच्ची मेहनत और समर्पण का परिणाम है, जो मनोरंजक, हास्यपूर्ण और हृदयस्पर्शी है। इसे कैमरे के सामने और पीछे, दोनों ओर से कुछ बेहद प्रतिभाशाली लोगों ने मिलकर जीवंत किया है। मैं रोमांचित हूं कि 7 मार्च से भारत और दुनिया भर के दर्शक प्राइम वीडियो पर हमारे साथ इस मज़ेदार सफर का हिस्सा बन सकेंगे। ००(आरएनएस)

जॉन अब्राहम की फिल्म द डिप्लोमैट के लिए करना होगा थोड़ा और इंतजार, रिलीज टली

अभिनेता जॉन अब्राहम पिछली बार फिल्म वेदा में नजर आए थे, जिसमें उनके काम को खूब सराहा गया, लेकिन एक्शन से भरपूर यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी।

पिछले काफी समय से जॉन अपनी अगली फिल्म द डिप्लोमैट को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान शिवम नायर ने संभाली है।

यह फिल्म 7 मार्च, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इस फिल्म के लिए दर्शकों को थोड़ा इंतजार करना होगा।

10 दिन पहले निर्माताओं ने द डिप्लोमैट की रिलीज टाल दी है। अब यह फिल्म 14 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

टी-सीरीज ने लिखा, इंतजार लंबा होता जा रहा है, लेकिन उसका प्रभाव और भी मजबूत होता जा रहा है।

द डिप्लोमैट एक भारतीय राजनयिक के पाकिस्तान से भारतीय लडक़ी को वापस लाने के प्रयासों की सच्ची कहानी पर आधारित है। इसमें जॉन इस्लामाबाद में भारत के पूर्व उप उच्चायुक्त जेपी सिंह की भूमिका में नजर आएंगे।

सू- दोकू क्र. 090

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.089 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

चेहरे पर कच्चा दूध लगाने की न करें गलती, त्वचा को हो सकते हैं ये नुकसान

दूध में कैल्शियम, प्रोटीन और आयोडीन समेत कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इस खाद्य पदार्थ को कई लोग त्वचा की देखभाल के लिए भी इस्तेमाल करते हैं, क्योंकि यह त्वचा की चमक को बढ़ा सकता है। हालांकि, विशेषज्ञों की मानें तो हमें अपनी त्वचा पर कच्चा दूध नहीं लगाना चाहिए। ऐसा करने से त्वचा को नुकसान हो सकता है और संक्रमण का खतरा हो सकता है।

आइए जानते हैं चेहरे पर कच्चा दूध लगाने से क्या होता है।

कच्चे दूध को पकाया नहीं गया होता है, जिसके कारण उसमें मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया मर नहीं पाते हैं।

इसके कारण उसमें जीवित सूक्ष्मजीवों की भरमार हो जाती है, जिनमें श्व कोलाई, साल्मोनेला और लिस्टेरिया जैसे बैक्टीरिया शामिल होते हैं।

जिन लोगों की त्वचा संवेदनशील होती है, उन्हें कच्चे दूध के कारण संक्रमण हो सकता है। इससे त्वचा फट सकती है, फुंसी हो सकती हैं, जलन हो सकती है या त्वचा लाल पड़ सकती है।

कई लोग मानते हैं कि त्वचा पर कच्चा दूध लगाने से मुंहासों का सफाया हो जाता है। हालांकि, यह वास्तव में सच नहीं है।

दूध में मौजूद तत्व अतिरिक्त तेल उत्पादन को बढ़ा सकते हैं, जिसके कारण त्वचा के रोमछिद्र बंद हो जाते हैं। इसके परिणामस्वरूप मुंहासे और ब्लैकहेड्स की समस्या भी बढऩे लगती है।

अगर आपके चेहरे पर दाने निकलते हैं तो भूलकर भी कच्चा दूध न लगाएं। इससे उनका उपचार तो नहीं होगा, बल्कि वे बढ़ जाएंगे।

स्वस्थ त्वचा के लिए सामान्य पीएच स्तर 4.7 और 5.75 के बीच होता है। यह त्वचा को बैक्टीरिया, प्रदूषकों और जलन पैदा करने वाले तत्वों से बचाने में मदद करता है।

कच्चे दूध का पीएच स्तर अधिक होता है और इसमें प्राकृतिक एंजाइम होते हैं, जो इस नाजुक संतुलन को बिगाड़ सकते हैं।

इसके कारण त्वचा अधिक शुष्क हो सकती है और उसकी सुरक्षात्मक परत कमजोर पड़ सकती है। इसके परिणामस्वरूप जलन और लालपन का खतरा बढ़ जाता है।

बढ़ सकती है खुजली और जलन

कुछ लोगों को दूध से ऐलर्जी होती है और उसके सेवन के साथ-साथ उसे लगाने से भी उन्हें परेशानी महसूस हो सकती है।

इसके लक्षणों में लालपन, खुजली और चकत्ते शामिल होते हैं। कच्चे दूध में कैसिइन और मट्ठा मौजूद होता है, जो रोमछिद्रों को बंद करने और मुंहासों को बढ़ाने में योगदान देता है। अगर आपकी त्वचा पर मुंहासे होते हैं तो कच्चा दूध लगाने से वे बढ़ सकते हैं और खुजली व जलन पैदा हो सकती है।(आरएनएस)

चाकू के साथ एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। वारदात की फिराक में घूम रहे एक बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से एक धारदार चाकू बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती रात थाना भगवानपुर पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान जब पुलिस प्रो फार्मा कम्पनी से पहले बिजलीघर जाने वाले रास्ते सिकन्दपुर पहुंची तो उसे वहां एक संदिग्ध व्यक्ति घूमता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से धारदार चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम जावेद पुत्र शकील निवासी खुब्बनपुर थाना भगवानपुर जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस ने हिन्दू नेशनल स्कूल के पीछे सडक पर एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमता हुआ देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 2.46 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम सीब्बू राठौर पुत्र भूपेन्द्र सिंह निवासी छबील बाग कांवली रोड बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

दो दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दो स्थानों से दो दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जागृति विहार रिंग रोड निवासी जानवी भटट ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी स्कूटी घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आयी तो उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। वहीं न्यू कालोनी रांझावाला निवासी वंदना उनियाल ने डालनवाला कोतवाली में स्कूल के बाहर से स्कूटी चोरी होने का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बिजली चोरी में मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने बिजली चोरी के मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार केवी सब स्टेशन कौलागढ के अवर अभियंता उपेन्द्र भंडारी ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने एफआरइआई में प्रमोद कुमार के यहां छापा मारा तो वहां पर बिजली की तारों में कट लगाकर बिजली चोरी करते हुए पकडा। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मारपीट करने पर दो बहनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने दो बहनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हरिपुर हरबंटपुर निवासी चन्द्रप्रकाश ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने घर के पास खडा था तभी पडोस में रहने वाली रिया पॉल व उसकी बहन नीलम मसीह ने उसके साथ गाली गलौच करनी शुरू कर दी। उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। जब आसपास के लोगों ने वहां पर पहुंच उसको छुडवाला तो दोनों उसको जान से मारने की धमकी देकर चली गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

डीएम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र व बालिका छात्रावास को किया फंड जारी

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने त्यूनी में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बालिका छात्रावास व महाविद्यालय के लिए 77.30 लाख रूपये का फंड जारी किया।

मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड सरकार के त्यूनी भ्रमण कार्यक्रम से जनपद के दुरस्त क्षेत्र त्यूनी को कई सौगात मिल गई है। जिलाधिकारी सविन बसंल ने मुख्यमंत्री के दुरस्थ क्षेत्रों में निवेश तथा अंतिम व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ दिए जाने के संकल्प फलीभूत करने तथा जनमानस से किए कमिटमेंट को बरकार रखते हुए त्यूनी में चिकित्सालय, बालिका छात्रावास के निरीक्षण के दौरान तथा पंडित शिवराम महाविद्यालय में व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में सामने आई कमियों के निराकरण के लिए एक सप्ताह के भीतर ही 77.30 लाख की धनराशि जारी कर दी है।

डीएम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र त्यूनी के निरीक्षण के एक्स-रे मशीन, अल्ट्रासांउड मशीन, रूम हीटर, इलैक्ट्रिक कैटल, पिल्लो, थ्री सीटर चेयर, आउटसोर्स के माध्यक से एक वार्ड आया एवं स्वच्छक की तैनाती के लिए स्वीकृति के साथ ही 54.45 लाख फंड जारी किया है, चिकित्सालय में सुविधा बढने से जनमानस को सुगम सुविधाएं मिलेगी। डीएम ने कस्तुरबा गांधी बालिका छात्रावास के लिए स्टडी टेबल, फर्नीचर, उपकरण, रोटीमेकर मशीन, इन्टरनेट, डिजिटल बोर्ड हेतु 17.95 लाख की धनराशि जारी की है। वही पंडित शिवराम राजकीय महाविद्यालय त्यूनी को लाइब्रेरी, रीडिंगरूम, कम्प्यूटर, इन्टरनेट, फर्नीचर, आदि सुविधाओं के लिए 4.90 लाख फंड जारी कर दिया है।

जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया कि अगले भ्रमण से पूर्व सभी व्यवस्थाएं धरातल पर दिख जाएं। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में रेडियोलॉजिस्ट अब दो दिन बैठगें पहले माह में एक ही दिन बैठते थे, जनमानस की समस्या को दृष्टिगत रखते हुए डीएम ने चिकित्सालय में नई एक्स-रे मशीन, नई अल्ट्रासाउण्ड मंशीन की स्वीकृति के साथ ही रेडियोलॉजिस्ट की भी मसूरी चिकित्सालय से माह में 02 दिन ड्यूटी लगाई है।

चाकू सहित चोर दबोचा, निशानदेही पर चोरी की बाइक व स्कूटी बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। चैकिंग के दौरान पुलिस ने एक चोर को चाकू सहित गिरफ्तार कर लिया है। जिसकी निशानदेही पर चुरायी गयी बाइक व स्कूटी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम कोतवाली ज्वालापुर पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस को एक संदिग्ध व्यक्ति घूमता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रोक कर तलाशी ली तो उसके पास से एक धारदार चाकू बरामद हुआ। पूछताछ

में उसने अपना नाम पंकज उर्फ हरेंद्र राठौर पुत्र विनोद कुमार निवासी पांडे वाली गूघाल मंदिर रोड कोतवाली ज्वालापुर जनपद हरिद्वार बताया। संदिग्ध से सख्ती से पूछताछ के दौरान हाथ लगी जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपी की निशांदेही पर कोतवाली ज्वालापुर पर दर्ज बाइक चोरी व स्कूटी चोरी से संम्बन्धित वाहनों को रेगुलेटर पुल से जंगल पटरी रोड को जाने वाले रास्ते से बरामद किया गया। पुलिस टीम अब उक्त वाहन चोरी में पकड़े गए आरोपी के साथ संलिप्त उसके सहयोगी की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी नशे की लत लगने के कारण अपने खर्चों की पूर्ति के लिए वाहन चोरी सहित अन्य वारदात करने की फिराक में घूम रहा था।

चौबटा खाल में विकास कार्य पूरी तरह ठप्पः धस्माना

संवाददाता

सतपुली। कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि चौबट्टाखाल विधानसभा क्षेत्र में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री होने के बावजूद पूरा क्षेत्र विकास की रोशनी से वंचित है।

आज यहां अपने पैतृक गांव बग्याली के दो दिवसीय दौरे से लौटते हुए नगर पंचायत क्षेत्र सतपुली में पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात के दौरान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि पौड़ी जिले के चौबट्टाखाल विधानसभा क्षेत्र में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री होने के बावजूद पूरा क्षेत्र विकास की रोशनी से वंचित है और हाल इतना बुरा है कि वर्ष 2004 से 7 के बीच शुरू करवाए गए अनेक कार्य आज भी जस के तस पड़े हुए हैं। नगर पंचायत सतपुली के नव निर्वाचित अध्यक्ष जितेंद्र चौहान ने धस्माना का स्वागत करते हुए उनको नगर पंचायत से संबंधित सफाई ,नायर नदी पर निर्माणाधीन झील कार्यों में सुस्ती, आदि समस्याओं

समस्याओं से अवगत करवाया। धस्माना ने चौहान को आश्वस्त किया कि वे अपने स्तर पर मुख्यमंत्री से व नगर विकास के आला अधिकारियों से मिल कर समस्याओं का समाधान करवाने में सहयोग करेंगे। धस्माना ने कहा कि उन्होंने वर्ष 2004 से 2007 के बीच तत्कालीन मुख्यमंत्री एन डी तिवारी व तत्कालीन लोक निर्माण मंत्री श्रीमती इंद्रा हृदयेश से आग्रह व प्रयास करवाकर क्षेत्र में अनेक सड़कें व विकास कार्य स्वीकृत करवाए थे जिनमें से एक पाटीसैन से डोभाल नाव बग्याली होते हुए एकेश्वर तक का मोटर मार्ग था जो कि आज दो दशक बाद भी डामरीकरण नहीं हो पाया। गांववासियों ने बताया कि पिछले लोकसभा चुनाव में पूरे क्षेत्र के लोगों ने मतदान का बहिष्कार किया तो क्षेत्र के विधायक व कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने आश्वासन दिया था कि सड़क का डामरीकरण हो जाएगा किंतु आज तक उस पर कार्य नहीं हुआ और सड़क बदहाल है। धस्माना ने कहा कि जब कैबिनेट मंत्री द्वारा अपने निर्वाचन क्षेत्र में लोगों को दिए आश्वासन को ही पूरा नहीं किया जा सका तो पूरे पौड़ी जनपद और राज्य में विकास के बारे में कल्पना की जा सकती है।

एक नजर

औरंगजेब को महान बताने वाले सपा विधायक अबू आजमी हुए सस्पेंड

मुंबई । औरंगजेब को लेकर विवादित बयान के बाद समाजवादी पार्टी के नेता अबू आसिम आजमी को महाराष्ट्र विधानसभा से सस्पेंड कर दिया गया है। उन्हें मौजूदा सत्र के लिए सस्पेंड किया गया है। महाराष्ट्र सराकर में मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने विधानसभा सत्र से अबू आजमी को सस्पेंड करने के लिए प्रस्ताव पेश किया था। बीजेपी नेता सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि आजमी को विधायकी से हटाना चाहिए ना कि सिर्फ एक सत्र के लिए उन्हें सस्पेंड करना चाहिए। छत्रपति शिवाजी पूजनीय हैं और उनका अपमान करने वालों को हम आसानी से जाने नहीं दे सकते।

हालांकि, चंद्रकांत पाटिल ने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक विधायकों को एक सत्र से अधिक समय तक के लिए सस्पेंड नहीं किया जा सकता। हम इसका आकलन करने के लिए समिति का गठन करेंगे कि क्या विधायक के तौर पर आजमी को उनकी सदस्यता से सस्पेंड किया जा सकता है या नहीं? औरंगजेब पर दिए गए बयान के बाद से सियासत गर्माने पर अबू आजमी ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि मैं शिवाजी महाराज और संभाजी महाराज के खिलाफ बोलने के बारे में सोच भी नहीं सकता। उन्होंने कहा कि मैं इतना बड़ा नहीं हूं। मैंने जो कुछ कहा था, वह असल में किन्हीं इतिहासकारों का व्यक्तव्य था। अगर मेरे इन बयानों की वजह से कोई आहत हुआ तो मैं बिना किसी शर्त के माफी मांगता हूं और अपने बयान को वापस लेता हूं।

पाकिस्तान में आत्मघाती हमले में 12 लोगों की मौत, 30 घायल

कराची। उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान के बन्नू में मुख्य छावनी की चाहरदीवारी में विस्फोटकों से लदे दो वाहन घुस गए और आत्मघाती हमले को अंजाम दिया जिसमें कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई तथा 30 घायल हो गए। सेना के जवानों ने कम से कम छह आतंकवादियों को ढेर कर दिया। पुलिस ने बताया कि

पेशावर से लगभग 200 किलोमीटर दूर खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शाम को आत्मघाती हमलावरों ने दक्षिण-पश्चिम में बन्नू छावनी की चाहरदीवारी को टक्कर मार दी। हाफिज गुल बहादुर से जुड़े जैश अल फुरसान संगठन ने एक बयान में बन्नू में हमले की जिम्मेदारी ली। यह समूह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के कई गुटों में से एक है। बन्नू में डीएचक्यू होडपिटल के प्रवक्ता डॉ नुमान ने कहा कि बन्नू छावनी आत्मघाती विस्फोट में 12 नागरिक मारे गए और 30 घायल हो गए और कहा कि मृतकों में चार बच्चे और दो महिलाएं भी शामिल हैं। सूत्रों ने अस्पताल अधिकारियों के हवाले से बताया कि आत्मघाती हमलावरों की चपेट में आने से आसपास की नागरिक इमारतों और बन्नू छावनी की चारदीवारी से सटी एक मस्जिद के मलबे में एक दर्जन लोगों के हताहत होने की खबर है।

चुनाव में जीतीं महिला पंचों की जगह उनके पतियों को दिलाई गई शपथ!

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है। यहां एक गांव की नवनिर्वाचित महिला पंचों के पतियों ने अपनी पत्नियों के स्थान पर शपथ ली। यह घटना महिला सशक्तिकरण की अवधारणा के विपरीत है और प्रशासनिक जिम्मेदारी में बड़ी चूक को उजागर करती है। यह मामला पंडरिया विकासखंड के परसवाड़ा ग्राम पंचायत का है। कबीरधाम जिला पंचायत के सीईओ अजय त्रिपाठी ने

बताया कि परसवाड़ा गांव में पंचायत प्रतिनिधियों के शपथ ग्रहण का वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर सामने आया, जिसके बाद पंडरिया जनपद पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को मामले की जांच करने के लिए कहा गया। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, परसवाड़ा ग्राम पंचायत में निर्वाचित 11 वार्ड पंचों में से छह महिलाएं थीं, जबकि सरपंच एक पुरुष था। इन 6 महिला पंचों के पतियों और अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों को पंचायत सचिव ने शपथ दिलाई। एक वीडियो में सभी पुरुष सदस्यों को शपथ लेते देखा जा सकता है। स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इस घटना को महिला सशक्तिकरण का मजाक करार दिया और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि अगर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो यह गलत उदाहरण पेश करेगा और इस तरह की घटनाओं को और बढ़ावा मिल सकता है।

भूस्खलन से पुल टूटा

विशेष संवाददाता

चमोली/पांडुकेश्वर। बारिश और बर्फबारी से होने वाली तबाही अभी थमने का नाम नहीं ले रही है। हिम स्खलन की घटनाएं और भूस्खलन के खतरे पहाड़ के जनजीवन पर भारी पड़ रहे हैं। चमोली से आज फिर एक और भूस्खलन की खबर मिल रही है यहां गोविंद घाट स्थित अलकनंदा नदी पर बना पुल पहाड़ी से गिरे बोल्डर और मलबे के कारण क्षतिग्रस्त हो गया है। जिससे इस मार्ग पर आवाजाही पूर्णतया बंद हो गई है। फूलों की घाटी और हेमकुंड साहिब जाने का रास्ता पूर्णतया अवरुद्ध हो गया तथा कुछ अन्य क्षेत्रों का संपर्क भी टूट गया है। दूसरी ओर से आने वाले कई वाहन भी अलकनंदा नदी के उसे पार फंस गए हैं।

राज्य में हाल में हुई बारिश और बर्फबारी के कारण हुए भूस्खलन के कारण इस पुल के क्षतिग्रस्त होने से घांघरिया, भ्यूंडार, खागड़िया व पुलना गांव तक पैदल आवाजाही भी ठप हो गई है इसी मार्ग से काकभुसंड जैसे पवित्र स्थल और ट्रैकिंग स्थल भी जुड़ते हैं। हेमकुंड साहिब के लिए जाने के लिए भी यही एकमात्र रास्ता है। उल्लेखनीय है 25 मई को हेमकुंड साहिब के कपाट खुलने हैं ऐसी स्थिति में इससे पूर्व इस पुल की मरम्मत का काम कराया जाना जरूरी होगा।

❑फूलों की घाटी व हेमकुंड साहिब का रास्ता बंद
❑कई वाहन अलकनंदा के उस पार फंसे

भूस्खलन की सूचना मिलने पर चमोली का जिला प्रशासन मौके पर पहुंच गया है। जिसमें लोक निर्माण विभाग तथा परिवहन व पुलिस की टीमों के साथ स्वास्थ्य विभाग की टीम भी शामिल है। गनीमत यह रही कि इस हादसे के समय कोई पुल से नहीं गुजर रहा था अन्यथा बड़ा जान माल का नुकसान हो सकता था। इस पुल का निर्माण 2015 में किया गया था। पुल को कितना नुकसान हुआ है अभी इसका आकलन नहीं हो सका है। गोविंद घाट गुरुद्वारे के पास बने इस लोहे के पुल के टूटने से स्थानीय लोगों की भी समस्याएं बढ़ गई है तथा नदी के पार फंसे वाहनों को भी पुल ठीक न होने से पहले निकाल पाना संभव नहीं होगा। चमोली के जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने कहा कि आज सुबह गोविधघाट क्षेत्र में भूस्खलन हुआ। इससे पीडब्ल्यूडी का पुल क्षतिग्रस्त हुआ है जिससे मार्ग कट गया है। वहां पुलना सहित कई गांव है प्रशासन की टीम इंजीनियरों व डाक्टरों के साथ मौके पर पहुंच गयी है।

बेलोरों की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। बेलोरों कार की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बंजारावाला निवासी दमयंती रावत ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पति अपनी स्कूटी से डोईवाला से घर की तरफ आ रहे थे। जब वह भानियावाला फ्लाई ओवर पर पहुंचे तभी पीछे से आ रही बेलोरो कार चालक ने तेजी व लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसके पति की स्कूटी पर टक्कर मार दी जिससे वह वहीं गिर गये और उनकी मौके पर ही मौत हो गयी।

महिला के हाथ से लूटा मोबाइल

संवाददाता

देहरादून। फोन पर बात करते जा रही महिला के हाथ से मोबाइल लूटकर लूटेरा फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यमुना कालोनी निवासी किरण तिवारी ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह फोन पर बात करते हुए घर की तरफ जा रही थी जब वह एकता भवन के पास पहुंची तभी पीछे से एक युवक आया और उसके हाथ में झपटा मारकर उसको मोबाइल लूटकर फरार हो गया। उसने शोर भी मचाया लेकिन तब तक वह आंखों से ओझल हो गया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

गौमांस विक्रेता गिरफ्तार, 15 किलो गौमांस बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। गौमांस बिक्री करने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 15 किलो गौमांस बरामद किया गया है। जानकारी के अनुसार कोतवाली लक्सर पुलिस द्वारा आज सुबह एक सूचना के बाद एक व्यक्ति को 15 किग्रा गौमांस के साथ दबोच लिया है। पुलिस टीम अब पूछताछ के दौरान प्रकाश में आए उक्त गौमांस के सप्लायर की तलाश में जुटी हुई है। बरामदगी के आधार पर पकड़े गए आरोपित पर मुकदमा अपराध संख्या 273/25 धारा 11/5 उत्तराखण्ड गऊ संतान संरक्षण अधिनियम दर्ज किया गया। पकड़े गये आरोपी का नाम रईश पुत्र मौ. नौसाद निवासी गढी संघीपुर थाना कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार बताया गया है।

कार का शीशा तोड लैपटॉप व सामान चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने कार का शीशा तोड वहां से लैपटॉप व सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार आईटी पार्क निवासी संदीप जैसवाल ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह राजपुर रोड पर सामान खरीदने के लिए आया था। उसने अपनी कार सडक पर खडी कर दी थी। जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी कार का शीशा टूटा हुआ था तथा अन्दर से लैपटाप व सामान गायब था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।